पुस्तक 'कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य' का हुआ लोकार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली बुंडू स्थित पी. पी. के. कॉलेज में युवा साहित्यकार राजीव कुमार द्वारा रचित पुस्तक कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य का भव्य एवं गरिमामय लोकार्पण समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन कुरमाली भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिल्ली के माननीय विधायक श्री अमित कुमार ने पुस्तक का लोकार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर की आत्मा हैं और इन्हें संरक्षित एवं समृद्ध करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लेखक राजीव कुमार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजाराम महतो ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य न केवल साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कृति है, बल्कि यह कुमार्ली भाषा के विकास और पहचान को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा के संरक्षण और उसके प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों अतिथियों ने भी अपने विचार रखते हुए पुस्तक एवं लेखक की भूरि-भूरि प्रशंसा की छवि बाला बरला ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं का विकास समाज की जड़ों को मजबूत करता है और इस प्रकार की कृतियां समाज को अपनी पहचान से जोड़ने का कार्य करती हैं। डॉ. शकुंतला मिश्रा ने कहा कि कुरमाली साहित्य में इस प्रकार के रचनात्मक कार्य अत्यंत आवश्यक हैं, जिससे नई पीढ़ी भाषा और साहित्य के प्रति आकर्षित हो सके। प्रो. भूतनाथ प्रमाणिक ने गीत के माध्यम से लेखक को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पी. पी. के. कॉलेज, बुंडू की प्राचार्य डॉ. विनिता कुमारी ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक आयोजन विद्यार्थियों में रचनात्मकता और भाषा के प्रति प्रेम को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. सुमंत कुमार झा द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे आयोजन को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया।

पीपीके कॉलेज में कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य पुस्तक का किया विमोचन

पुस्तक का विमोचन करते विधायक, डॉ राजाराम महतो व अन्य.

प्रतिनिधि, बुंडू

पंच परगना किसान कॉलेज के सभागार में शुक्रवार को युवा साहित्यकार राजीव कुमार द्वारा रचित पुस्तक कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य पुस्तक का विमोचन विधायक अमित कुमार और कुरमाली भाषा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो ने संयुक्त रूप से किया. मुख्य अतिथि सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं. इन्हें संरक्षित व समृद्ध करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है. उन्होंने लेखक राजीव कुमार के प्रयासों की सराहना की. कहा कि यह पुस्तक आनेवाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी. विशिष्ट अतिथि डॉ राजाराम महतो ने कहा कि "कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य" साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कृति है. झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भूमि सुधार उप समाहर्ता छवि बाला बरला ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं का विकास समाज की जड़ों को मजबूत करता है. डॉ शकुंतला मिश्रा ने कहा कि कुरमाली साहित्य में इस प्रकार के रचनात्मक कार्य अत्यंत आवश्यक हैं. प्रो भूतनाथ प्रमाणिक ने गीत गाकर लोगों को झुमाया. अध्यक्षता प्राचार्य डॉ विनिता कुमारी और संचालन डॉ सुमंत कुमार ने किया. धन्यवाद ज्ञापन प्रो अरविंद कुमार साहू ने दिया. मौके पर कुरमाली भाषा के लेखक मुक्तिपद महतो, देवेंद्रनाथ महतो, लखींद्र सिंह मुंडा, सुनील मानकी, डॉ दीनबंधु, बंशीधर व छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

बुंडू के पांच परगना किसान कॉलेज में 'कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य' का विमोचन

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। पांच परगना किसान कॉलेज बुंडू के सभागार में शुक्रवार को युवा साहित्यकार राजीव कुमार द्वारा रचित पुस्तक कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य पुस्तक का विमोचन सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो और कुरमाली भाषा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो ने संयुक्त रूप से किया। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि सिल्ली के विधायक ने संबोधन में कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर की आत्मा हैं और इन्हें संरक्षित एवं समृद्ध करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो ने कहा कि 'कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य' साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कृति है, भाषा और संस्कृति झारखंड की शान है। डॉ शकुंतला मिश्रा ने कहा कि कुरमाली साहित्य में इस प्रकार के रचनात्मक कार्य अत्यंत आवश्यक हैं। प्रो भूतनाथ प्रमाणिक ने गीत के माध्यम से लोगों को मंत्र मुक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ विनिता कुमारी और संचालन डॉ सुमंत कुमार ने की। मौके पर कुरमाली भाषा के लेखक मुक्ति पद महतो, देवेंद्र नाथ महतो, लखींद्र सिंह मुंडा, सुनील मानकी, डॉ दीनबंधु, बंशीधर, के शिक्षक कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर रांची आसपास 18-04-2026

बुंडू : कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य का विमोचन

बुंडू | पीपीके कॉलेज बुंडू के सभागार में शुक्रवार को युवा साहित्यकार राजीव कुमार द्वारा रचित पुस्तक कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य पुस्तक का विमोचन विधायक अमित कुमार और कुरमाली भाषा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो ने संयुक्त रूप से किया। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि सिल्ली के विधायक अमित कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर की आत्मा हैं और इन्हें संरक्षित एवं समृद्ध करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉ. राजाराम महतो ने कहा कि "कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य" साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कृति है, भाषा और संस्कृति झारखंड की शान है। उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा के संरक्षण और जागरूक रहने का आह्वान किया। भूमि सुधार उप समाहर्ता छवि बाला बरला ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं का विकास समाज की जड़ों को मजबूत करता है डॉ. शकुंतला मिश्रा ने कहा कि कुरमाली साहित्य में इस प्रकार के रचनात्मक कार्य अत्यंत आवश्यक हैं। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विनिता कुमारी और संचालन डॉ. सुमंत कुमार ने की धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अरविंद कुमार साहू ने दिया। इस मौके पर कुरमाली भाषा के लेखक मुक्ति पद महतो, देवेंद्र नाथ महतो, लखींद्र सिंह मुंडा, बुंडू बार एसोसिएशन उपाध्यक्ष अधिवक्ता आनंद राम महतो, सुनील मानकी , डॉ दीनबंधु, बंशीधर, के शिक्षक कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।